वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा B.A. Part-III

स्नातक खण्ड-3

प्रधान हिन्दी

(सामान्य छात्रों के लिए)

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं

हिन्दी भाषा तथा लिपि का सामान्य अध्ययन

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास में आलोचनात्मक प्रश्न तीन प्रश्न	:	20 × 3 = 60
(ख) हिन्दी भाषा और भोजपुरी भाषा से परिचयात्मक प्रश्न-दो प्रश्न	:	10 × 2 = 20 अंक
(ग) देवनागरी लिपि पर दो प्रश्न	:	10 × 2 = 20 अंक
		कुल = 100 अंक

निधारित पाठ्य पुस्तकें :

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास की रूप रेखा—विभिन्न कालों का नामकरण प्रवृत्ति और उपलब्धि, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता का सामान्य अध्ययन एवं भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग का सामान्य अध्ययन।

आधार ग्रंथ—(1) हिन्दी साहितय का इतिहास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

(2) हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास डॉ॰ नामवर सिंह।

(ख) भाषा और बोली तथा देवनागरी लिपि—

हिन्दी भाषा—स्वरूप एवं विशेषताएँ।

भोजपुरी—भाषा का परिचय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।

आधार ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास—डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा।
2. आधुनिक साहित्यिक निबंध—डॉ॰ त्रिभुवन सिंह।
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना—डॉ॰ वासुदेव नन्दन प्रसाद भारती भवन, पटना।
4. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि—डॉ॰ भोलानाथ तिवारी।

हिन्दी प्रतिष्ठा

पंचम पत्र

इतिहास एवं काव्य

(हिन्दी साहित्य का इतिहास-छायावाद से लेकर अद्यतन साहित्य तक)

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभजन :

(क) इतिहास	:	20 × 2 = 40 अंक

Scanned with CamScanner

(ख) काव्य	:	15 × 2 = 30 अंक
(ग) व्याख्या	:	10 × 2 = 20 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ	:	10 × 1 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

आधार ग्रंथ :

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास—आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग-1, 2 - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास—सम्पादक, डॉ॰ नगेन्द्र।
4. वृहद साहित्यिक निबन्ध—सं॰ डॉ॰ त्रिभुवन सिंह।
5. आधुनिक साहित्यिक निबंध—सं॰ डॉ॰ त्रिभुवन सिंह।

(ख) काव्य :

निर्धारित ग्रंथ : छायावादोत्तर काव्य-संग्रह—सं॰ डॉ॰ रामनारायण शुक्ल एवं डॉ॰ श्री निवास पाण्डेय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी।

पाठ्यांश :

अज्ञेय	— कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, यह द्वीप अकेला।
नागार्जुन	— बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद।
केदारनाथ अग्रवाल	— चन्द्रगहना, मैंने उसको जब जब देखा, माझी न बजाओ वंशी।
धर्मवीर भारती	— कविता की मौत, समुद्र स्वप्न।
मुक्तिबोध	— चकमक की चिंगारियाँ. एक भूतपूर्व विद्रोही।
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	— सौन्दर्यबोध, पिछड़ा आदमी।
श्रीकान्त वर्मा	— हस्तिनापुर का रिवाज, धर्मयुग, तीसरा रास्ता।

अभिस्तावित ग्रंथ :

छायावाद—डॉ॰ नामवर सिह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ—डॉ॰ नामवर सिंह।
आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ—डॉ॰ नगेन्द्र।
आधुनिक साहित्य—डॉ॰ नन्द दुलारे वाजपेयी।
हिन्दी साहित्य का इतिहास—सम्पादक—डॉ॰ नगेन्द्र।
हिन्दी साहित्य - संवेदना का विकास—डॉ॰ राम स्वरूप चतुर्वेदी, लेकभारती इलाहाबाद।

हिन्दी प्रतिष्ठा

षष्ठ पत्र

साहित्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) भारतीय साहित्य शास्त्र (काव्यशास्त्र)	:	15 × 3 = 45 अंक

Scanned with CamScanner

	:	$15 \times 2 = 30$ अंक
(ख) साहित्यलोचन के सिद्धान्त	:	$15 \times 3 = 15$ अंक
(ग) लघुत्तरी प्रश्न	:	$10 \times 1 = 10$ अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न — साहित्यालोचन से		कुल = 100 अंक

पाठ्य विषय :

1. **भारतीय साहित्यशास्त्र-काव्यशास्त्र :**

(क) काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु काव्य के प्रकार, शब्द शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष, रस के स्वरूप एवं प्रकार, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।

(ख) 1. छन्द स्वरूप एवं महत्त्व।

2. छन्दों के लक्षण-उदाहरण—दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, मत्तगयंद, गीतिका, हरिगीतिका, मालिनी, शिखारिणी, मन्दाक्रान्ता, लावनी, इन्द्रवजा, उपेन्द्र वज्रा, छप्पय, कवित्त, सवैया, कुण्डलियाँ।

(ग) 1. अलंकार—स्वरूप एवं महत्त्व।

2. अलंकारों के लक्षण व उदाहरण—यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, संदेह, विभावना, भ्रांतिमान, अपहनुति, विशेषोक्ति, असंगति, विरोधाभास, प्रतीप, तुल्यांगिता।

2. **साहित्यालोचन के सिद्धान्त :**

काव्य एवं गद्य साहित्य के प्रमुख रूपों एवं विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन यथा-महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, चम्पूकाव्य, नाटक, एकांकी, गीतिनाट्य, रेडियो रूपक, काव्य रूपक, दूरदर्शन रूपक, कहानी, परिभाषा—तत्व एवं प्रकार, उपन्यास-तत्व—परिभाषा एवं भेद, निबंध—स्वरूप एवं प्रकार, समालोचना एवं उसके मान्य रूप। गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ-जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र फिल्मी कथा-पट एवं अभिनय, संवाद-लेखन।

अध्ययन हेतु निर्दिष्ट आधार-ग्रंथ :

1.	साहित्यलोचन	— डॉ॰ श्याम सुन्दर दास
2.	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	— डॉ॰ जितराम पाठक
3.	काव्यदर्पण	— पं॰ रामदहिन मिश्र
4.	अलंका मुक्तावली	— प्रोफेसर देवेन्द्रनाथ शर्मा
5.	भारतीय काव्यशास्त्र	— डॉ॰ भगीरथ मिश्र
6.	काव्यशास्त्र : आद्यचरण	— डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी

हिन्दी प्रतिष्ठा

सप्तम पत्र

भाषा विज्ञान एवं संस्कृत

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) भाषा विज्ञान से आलोचनात्मक प्रश्न	:	$15 \times 3 = 45$ अंक
(ख) लघुत्तरी प्रश्न	:	$5 \times 3 = 15$ अंक
(ग) संस्कृत से आलोचनात्मक प्रश्न	:	$10 \times 2 = 20$ अंक
(घ) संस्कृत के निर्धारित पाठों से हिन्दी में अनुवाद	:	$5 \times 2 = 10$ अंक
(ङ) संस्कृत के शब्द रूपों तथा धातु रूपों का लेखन	:	$5 \times 2 = 10$ अंक
		कुल = 100 अंक

Scanned with CamScanner

निर्धारित पाठ्यांश :

1. **भाषा विज्ञान :** भाषा का स्वरूप, भाषा के प्रकार, प्राचीन, मध्य और आधुनिक आर्य भाषाएँ, भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के प्रकार, भाषा विज्ञान और व्याकरण में सम्बन्ध, भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि प्रयुक्त अन्य भारतीय भाषाएँ। (इन्हीं अंशों से लघुतरी प्रश्न पूछे जाएँगे।)
2. **संस्कृत :**

अमरभारती - सम्पादक - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा।

निर्धारित पाठ :

(i)	पंचतंत्रम	— सम्पूर्ण
(ii)	गीता के प्रथम	— 20 श्लोक
(iii)	मनुस्मृति के प्रथम	— 20 श्लोक
(iv)	नीतिशकतम् के प्रथम	— 10 श्लोक

संस्कृत के शब्द-रूप : देव, कवि, फल, माता, पिता, वारि, नदी, लता, भवन, (आप), अस्मद्, युस्मद्, अयम (यह) सः (वह-पुरुष) साः (वह स्त्री)।

संस्कृत के धातु रूप : सभी विभक्तियों कालों एवं वचनों में पठ, गम, दृश, वद्, हँस, ज्ञा, पा, हे (हरना अर्थ में)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. **भाषा विज्ञान** — डॉ॰ भोलानाथ तिवारी।
2. **भाषा विज्ञान की भूमिका** — प्रो॰ देवेन्द्र नाथ शर्मा।
3. **भाषा विज्ञान : सिद्धान्त और स्वरूप :** डॉ॰ जितराम पाठक।

संस्कृत-संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास—डॉ॰ बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास—डॉ॰ वचनदेव कुमार।
3. संस्कृत व्याकरण—डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी।
4. संस्कृति व्याकरण—प्रदीप।

हिन्दी प्रतिष्ठा

अष्टम् पत्र

विशेष अध्ययन

निम्नलिखित खण्डों में से किसी एक का अध्ययन अनिवार्य होगा।

खण्ड - क : सगुण भक्ति काल

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	: 15 × 3 = 45 अंक
(ख)	व्याख्यात्मक प्रश्न.	: 15 × 2 = 30 अंक
(ग)	लघुतरी प्रश्न-इतिहास के भक्तिकाल से	: 15 × 1 = 15 अंक
(घ)	पठित काव्य के लिए दिये गये दो पद्यांशों का भावार्थ	: 5 × 2 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. **सुर पंचरत्न** —सं॰ लालाभगवान दीन।
   पाठ्यांश —बाललीला के पद एवं भ्रमर गीत।

Scanned with CamScanner

2. **कवितावली** —तुलसीदास।
   पाठ्यांश —बाल काण्ड के प्रथम - 10 छंद और अयोध्याकाण्ड के प्रथम 20 छंद।

संदर्भ ग्रंथ :

सूरदास—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
महाकवि सूरदास—आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी।
सूर साहित्य की भूमिका—आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
सूर की काव्य चेतना—सं० : डॉ० रत्नाकर पाण्डेय।
तुलसीदास—डॉ० माता प्रसाद गुप्त।
गोसाई तुलसीदास—आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
गोस्वामी तुलसीदास—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

खण्ड-ख : रीति काव्य - विशेष अध्ययन

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 × 3 = 45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	10 × 3 = 30 अंक
(ग) लघुतरी प्रश्न-इतिहास के रीतिकाल से	:	05 × 3 = 15 अंक
(घ) पठित काव्य के लिए दिये गये दो छंदों का भावार्थ	:	05 × 2 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. **रीति काव्य-संग्रह** – सं० डॉ० जगदीश गुप्त।
   निर्धारित पाठ्यांश—बिहारी प्रारम्भ से 20 दोहे तक घनानन्द के 10 छंद तक।

देव	— प्रारम्भ से 10 छंद
मतिराम	— प्रारम्भ से 10 छंद
पद्माकर	— प्रारम्भ से 10 छंद
सेनापति	— प्रारम्भ से 5 छंद
ठाकुर	— प्रारम्भ से 6 छंद
जगन्नाथ दान रत्नाकर	— उद्धवशतक 9 छंद

2. **जगद नोद पद्माकर** – सम्पूर्ण।

संदर्भ ग्रंथ :

रीतिकाव्य की भूमिका डॉ० नगेन्द्र।
रीति साहित्य डॉ० भगीरथ मिश्र।
पद्माकर पंचामृत — पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
बिहारी आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
हिन्दी साहित्य का अतीत भाग—2 - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

Scanned with CamScanner

खण्ड-ग: छायावाद – विशेष अध्ययन

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 × 3 = 45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	10 × 3 = 30 अंक
(ग) लघुत्तरीय प्रश्न-छायावाद की रचनाओं पर आधारित	:	5 × 3 = 15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न छायावाद के इतिहास पर आधारित)	:	1 × 10 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

छायावाद-काव्यार्णव : डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी

निर्धारित काव्यांश :

जयशंकर प्रसाद : कविताएँ—लहर की प्रारम्भिक 10 कविताएँ, प्रलय की छाया, निर्वेद (कामायनी से), हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, और आँसू—बस गई एक बस्ती है .... खेल खेल का मन का।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : कविताएँ—प्रार्थना, नयन, देवी सरस्वती, तुम और मैं, रेखा, कैलाश में शरद्, जागो फिर एक बार — (सम्पूर्ण), स्नेह निर्झर बह गया है, शेफाली, तुलसीदास — प्रारम्भिक - 20 छंद।

सुमित्रानन्दन पंत : कविताएँ प्रथम रश्मि, उच्छ्वास की बालिका मौन निमंत्रण, बादल, पर्वत प्रदेश में पावस, चाँदनी, एक तारा, अनित्यजग निष्ठुर परिवर्तन, ताज, कहारों का रूद्र नृत्य।

महादेवी वर्मा : कविताएँ—निशा को या देता राजकेश, घोर तम छाया चारो ओर, जिस दिन नीरव तारों से, मुधरिमा के मधु के अवतार चुभते ही तेरा अरुण वान, प्राणों के अंतिम पाहुन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, प्रिय सान्ध्य गगन, चिर सजग आँखे उनीदी कह दे माँ क्य देखुँ।

हरिवंश राय 'बच्चन' : कविताएँ—प्राण सन्ध्या झुक गई, तुम गा दो मेरा गान, इस पार-उस पार अँधेरी रात में, पथ की पहचान, लहरों का निमत्रण, स्वप्न में तुम हो, तुम्हीं हो जागरण में, मधुशाला को प्रारम्भिक—10 रूबाइयाँ।

माखन लाल चतुर्वेदी : कविताएँ—कैदी और कोकिला, जवानी, गीतों के राजा, उन्मूलिक वृदा, प्राण का शृंगार।

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : कविताएँ—प्रिय! लो डूबा चुका है सूरज, ओ हिरनी की आँखोंवाली, जग चुकी है वर्तिका, पराजयगीत।

रामधारी सिंह 'दिनकर' : कविताएँ—हिमालय, वन फूलों की ओर, गीत-अगीत, प्रभाती।

राम कुमार वर्मा : कविताएँ—जागरण की ज्योति, तिरस्कार मौन न करुणा।

नरेन्द्र शर्मा : कविताएँ—पाषणा नहीं था, युग बदला, प्यासा निर्झर, मोती मस्जिद से ताज महल।

Scanned with CamScanner

सहायक-ग्रंथ :

छायावाद—डॉ॰ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी—नन्द दुलारे वाजपेयी, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।
सुमित्रानंदन पंत—नन्ददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, दिल्ली।
जयशंकर 'प्रसाद'—नन्द दुलार वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
छायावादी काव्य—एक दृष्टि—डॉ॰ चौथी राम यादव, किताब महल, इलाहाबाद।
प्रसाद का काव्य—डॉ॰ प्रेम शंकर।

खण्ड-घ : नाटक – विशेष अध्ययन

[पूर्णांक : 100

समय : तीन घंटे]

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : $15 \times 3 = 45$ अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : $10 \times 3 = 30$ अंक

साक्ष्य शिल्प :

(ग) लघुतरी प्रश्न-छायावाद : $5 \times 3 = 15$ अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ : $10 \times 1 = 10$ अंक

कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

1. अम्बपाली — रामवृक्ष बेनीपुरी
2. आषाढ़ का एक दिन — मोहन राकेश
3. एकांकी और एकाकी — सम्पादक—डॉ॰ दीनानाथ सिंह, अनुपम, प्रकाशन, पटना।

निर्धारित पाठ :

डॉ॰ राम कुमार वर्मा — एक तोले अफीम की कीमत
भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र — स्ट्राइक
उद्य शंकर भट्ट — पर्दे के पीछे
उपेन्द्रनाथ अश्क — लक्ष्मी का स्वागत
जगदीश चन्द्र माथुर — रीढ़ की हड्डी
विष्णु प्रभाकर — तीसरा आदमी
मोहन राकेश — अंड के छिलके
श्री लक्ष्मी नारायण लाल — वरुण वृक्ष का देवता

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास—डॉ॰ दशरथ ओझा
हिन्दी नाट्य साहित्य का अलोचनात्मक अध्ययन—डॉ॰ वेदपाल खन्ना
प्रसाद के नाटक—डॉ॰ सिद्धनाथ ठाकुर
हिन्दी एकांकी—डॉ॰ महेन्द्र कुमार
हिन्दी नाटक—डॉ॰ बच्चन सिंह राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner

खण्ड-ङ : कथा-साहित्य
(उपन्यास एवं कहानी)
विशेष अध्ययन

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	: 15 × 3 = 45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	: 10 × 3 = 30 अंक
(ग) लघुत्तरी प्रश्न (उपन्यास और कहानी शिल्प पर आधारित)	: 5 × 3 = 15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ	: 1 × 10 = 10 अंक
	कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

उपन्यास :

गुनाहों के देवता—धर्मवीर भारती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

पुनर्नवा—हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्धारित ग्रंथ :

हिन्दी की श्रेष्ठ कहानियाँ-सम्पादक— डॉ॰ बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ॰ नीरज सिंह

उसने कहा था	—	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
बूढ़ी काकी	—	प्रेमचंद
जनेन्द्र कुमार	—	पाजेब
सुदर्शन	—	हार की जीत
अज्ञेय	—	शरणदाता
फणीश्वरनाथ रेणु	—	ठेस

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी उपन्यास—डॉ॰ राम दरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद—डॉ॰ त्रिभुजवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

कहानी आन्दोलन की भूमिका—डॉ॰ बलराम पाण्डेय, अनीमिका प्रकाशन, इलाहाबाद।

कहानी : नई कहानी — डॉ॰ नामवर सिंह लोकभारती, इलाहाबाद।

कवियों की कहानियाँ—एक मूल्यांकन, डॉ॰ मृत्युंजय सिंह, अनुराग प्रकाशन-1/1073, डी॰ महरौली, नई दिल्ली।

Scanned with CamScanner